



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 24, 2017/माघ 4, 1938

No. 61]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 24, 2017/MAGHA 4, 1938

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केंद्रीय सीमाशुल्क एवं उत्पादशुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 2017

सं. 7 /2017-सीमाशुल्क (गै.टे.)

सा.का.नि.68 (अ) .- केंद्र सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) और धारा 156 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः-

1. लघु शीर्ष और प्रारंभन.- (1) इन नियमों का नाम भारत-जापान व्यापक आर्थिक साझेदारी करार (द्विपक्षीय रक्षोपाय उपाय) नियमावली 2017 है।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.- (1) इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित नहीं हों हों,-

(क) 'संकटपूर्ण हालात' से अभिप्राय ऐसे हालात से है जिनमें में यह स्पष्ट साक्ष्य है कि किसी उद्भवित माल के बढ़े हुए आयात से घरेलू उद्योग को गंभीर अस्ति पहुंची है अथवा पहुंचेने का खतरा है और जहां पर अनन्तिम द्विपक्षीय रक्षोपाय उपायों को लागू करने में विलंब किए जाने से घरेलू उद्योग को अस्ति पहुंचेगी जिसकी भरपाई करनी कठिन होगी;

(ख) 'महानिदेशक' से अभिप्राय है, सीमाशुल्क टैरिफ (सुरक्षा शुल्क की पहचान और निर्धारण) नियम 1997 के नियम 3 के उपनियम (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त महानिदेशक (रक्षोपाय);

(ग) 'घरेलू उद्योग' से अभिप्राय, ऐसे उत्पादकों से है जो,-

- (i) भारत में, पूर्ण रूप से एक समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिप्रस्पर्धात्मक माल के निर्माता हैं; अथवा
- (ii) जिनका एक समान माल अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिप्रस्पर्धात्मक माल का भारत में सामूहिक निर्गत, भारत में उक्त माल के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है;
- (घ) 'माल' से अभिप्राय किसी व्यापारिक माल, उत्पाद, मद अथवा सामग्री से है;
- (ङ) 'बढ़े हुए आयात' से अभिप्राय है, जापान से होने वाले आयात में बड़ोतरी, चाहे यह संपूर्ण रूप में हो अथवा घरेलू उत्पादन के सापेक्ष रूप में हो;
- (च) 'इच्छुक पार्टी' में शामिल है,-
  - (i) जापान का कोई निर्यातक अथवा उत्पादक अथवा माल का आयातक जो द्विपक्षीय रक्षोपाय उपाय करने के आशय से जांच पड़ताल के अध्यधीन हो अथवा व्यापार अथवा कारोबारी संघ जिसके अधिकांश सदस्य ऐसे माल के उत्पादक, निर्यातक अथवा आयातक हों,
  - (ii) जापान सरकार; और
  - (iii) भारत में उसी प्रकार के माल अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिप्रस्पर्धात्मक माल के उत्पादक अथवा व्यापार अथवा कारोबारी संघ जिसके अधिकांश संदस्य भारत में एक समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिप्रस्पर्धात्मक माल के उत्पादक हैं अथवा उसका व्यापार करते हैं;
- (छ) 'उद्भवित माल' से अभिप्राय, ऐसे माल से है जोकि दिनांक 01 अगस्त 2011 को सा.का.नि. सं. 594(अ) के अंतर्गत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की दिनांक 01 अगस्त 2011 की अधिसूचना संख्या 55/2011-सीमाशुल्क (गै.टे) के अंतर्गत अधिसूचित सीमाशुल्क टैरिफ (भारत गणराज्य और जापान के बीच विस्तृत आर्थिक साझेदारी करार के अंतर्गत माल के उद्भव का निर्धारण) नियमावली 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत उद्भवित माल के रूप में अर्हक है;
- (ज) 'गंभीर धृति' से अभिप्राय है, घरेलू उद्योग की स्थिति में पर्याप्त समग्र धृति;
- (झ) 'गंभीर धृति का खतरा' से अभिप्राय, ऐसी गंभीर धृति से है जोकि केवल आरोप, अटकलबाजी अथवा दूर की संभावना पर आधारित न होकर स्पष्ट तथ्यों पर आधारित है;
- (ण) 'व्यापार करार' से अभिप्राय है, 'भारत गणराज्य और जापान के बीच विस्तृत आर्थिक साझेदारी करार'।
- (2) यहां प्रयोग किए गए और परिभाषित नहीं किए गए शब्द और अभिव्यक्तियां, जिन्हें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) और सीमाशुल्क अधिनियम 1962(1962 का 52) में परिभाषित किया गया है, का क्रमशः वही अभिप्राय होगा जोकि उन्हें इन अधिनियमों में दिया गया है।

### 3. महानिदेशक के कर्तव्य- इन नियमों के प्रावधानों के अध्यधीन, महानिदेशक का कर्तव्य होगा-

- (क) इस मामले की जांच पड़ताल करना कि क्या भारत में किसी उद्भवित माल के बढ़े हुए आयात के कारण, व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क को समाप्त किए जाने अथवा इसमें कटौती किए जाने के परिणाम के तौर पर घरेलू उद्योग को गंभीर धृति पहुंची है अथवा पहुंचने का खतरा है;
- (ख) उद्देश्यात्मक और आंकलन किए जा सकने के स्वरूप वाले उन सभी संगत कारकों का मूल्यांकन करना जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, विशेष रूप से उद्भवित माल के आयात में पूर्ण और सापेक्ष शर्तों के अनुसार दर और मात्रा में बड़ोतरी, उद्भवित माल के बढ़े हुए आयात द्वारा कब्जा किए गए घरेलू बाजार का शेयर, विक्री, उत्पादन, उत्पादकता, धृति का प्रयोग, लाभ और हानि तथा रोजगार के स्तर में परिवर्तन;
- (ग) व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क को समाप्त किए जाने अथवा इसमें कटौती किए जाने के परिणामस्वरूप जापान से उद्भवित माल के बढ़े हुए आयात के द्वारा घरेलू उद्योग को हुए अथवा होने वाली गंभीर धृति के संबंध में केंद्र सरकार को अपने निष्कर्ष, अनंतिम अथवा अन्यथा, प्रस्तुत करना;

- (घ) ऐसे द्विपक्षीय रक्षोपाय उपायों की सिफारिश करना जिन्हें यदि अंगीकार किया जाता है तो वे गंभीर क्षति को रोकने अथवा समाप्त करने के पर्याप्त होंगे;
- (ङ) द्विपक्षीय रक्षोपाय उपाय की अवधि की सिफारिश करना तथा जहां कहीं इस प्रकार सिफारिश की अवधि एक वर्ष से अधिक हो तो समायोजन को सुगम बनाने के क्रम में आवश्यक प्रगामी उदारीकरण की सिफारिश करना;
- (च) द्विपक्षीय रक्षोपाय उपाय के बनाए रखने की आवश्यकता की समीक्षा करना।

**4. जांच पड़ताल आरंभ करना।-** (1) उपनियम (4) में किए गए उपबंध को छोड़कर, महानिदेशक एक समान माल अथवा प्रत्यक्ष स्पर्धात्मक माल के घरेलू उत्पादक द्वारा अथवा उसकी ओर से लिखित आवेदन के प्राप्त होने पर, व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क को समाप्त करने अथवा इसमें कटौती किए जाने के परिणामस्वरूप उद्भित माल के बढ़े हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण करने के लिए एक जांच पड़ताल आरंभ करेगा।

(2) उपनियम (1) के अंतर्गत आवेदन उस रूप में किया जाएगा जैसा कि महानिदेशक द्वारा इस संबंध में विनिर्दिष्ट किया जाए तथा इस आवेदन के समर्थन में निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे,-

(क) निम्नलिखित के संबंध में साक्ष्य-

- (i) उद्भित माल का बढ़ा हुआ आयात;
- (ii) घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति होने का खतरा;
- (iii) उद्भित माल के आयात और कथित गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध; और
- (iv) व्यापार करार के अंतर्गत कारण के रूप में सीमाशुल्क में कटौती अथवा उसको समाप्त किया जाना जिससे उद्भित माल के आयात में पर्याप्त बढ़ोतरी होती है तथा आयात में इस प्रकार की बढ़ोतरी, घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने का मुख्य कारण बनती है:

बशर्ते यह कि व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क में कटौती अथवा इसको समाप्त किए जाने के कारण के बारे में यह जरूरी नहीं है कि यह अन्य किसी कारण के बराबर या उससे बड़ा हो; और

(ख) आयात प्रतिस्पर्धा के संबंध में समायोजन करने के क्रम में किए जा रहे प्रयासों, अथवा तैयार की गई योजनाओं अथवा दोनों के संबंध में विवरण।

(3) महानिदेशक, उपनियम (1) के अंतर्गत किए गए किसी आवेदन के अनुक्रम में तब तक कोई जांच पड़ताल आरंभ नहीं करवाएगा जब तक वह आवेदन में दिए गए साक्ष्य की सटीकता और पर्याप्तता की जांच पड़ताल नहीं कर लेता और इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि निम्नलिखित के संबंध पर्याप्त साक्ष्य हैं-

- (क) उद्भित माल का बढ़ा हुआ आयात;
- (ख) गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति का खतरा;
- (ग) उद्भित माल के आयात और कथित गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध; और
- (घ) व्यापार करार के अंतर्गत कारण के रूप में सीमाशुल्क में कटौती अथवा उसको समाप्त किया जाना जिससे उद्भित माल के आयात में पर्याप्त बढ़ोतरी होती है तथा आयात में इस प्रकार की बढ़ोतरी, घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने का मुख्य कारण बनती है:

बशर्ते यह कि व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क में कटौती अथवा इसको समाप्त किए जाने के कारण के बारे में यह जरूरी नहीं है कि यह अन्य किसी कारण के बराबर या उससे बड़ा हो।

(4) उपनियम (1) में विहित किसी भी बात के बाबजूद, महानिदेशक स्वप्रेरणा से जांच पड़ताल आरंभ करा सकता है यदि वह सीमाशुल्क अधिनियम 1962(1962 का 52) के अंतर्गत नियुक्त किसी सीमाशुल्क आयुक्त से प्राप्त सूचना से सहमत है अथवा किसी अन्य स्रोत से सहमत है कि उपनियम (3) के खंड (क), खंड (ख), खंड (ग) और खंड (घ) में संदर्भित किए अनुसार पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

5. जांच पड़ताल को अधिशासित करने वाले सिद्धांत।—(1) व्यापार करार के अंतर्गत सीमाशुल्क को समाप्त किए जाने अथवा इसमें कटौती किए जाने के परिणामस्वरूप भारत में उद्भित माल के बढ़े हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति अथवा होने वाली गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण करने के क्रम में जांच पड़ताल प्रारंभ किए जाने के संबंध में महानिदेशक द्वारा निर्णय ले लिए जाने के पश्चात, महानिदेशक जांच पड़ताल शुरू किए जाने के संबंध में एक सार्वजनिक नोटिस जारी करेंगे तथा सार्वजनिक नोटिस में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के संबंध में पर्याप्त सूचना होगी, अर्थात्:—

- (क) उद्भित माल की, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 52) की प्रथम अनुसूची के अंतर्गत जांच पड़ताल और वर्गीकरण के अध्यधीन स्पष्ट व्याख्या;
- (ख) जांच पड़ताल के अध्यधीन अवधि;
- (ग) जांच पड़ताल शुरू किए जाने की तारीख;
- (घ) उन तथ्यों का सारांशीकृत विवरण जिन पर गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे का आरोप आधारित है;
- (ङ) जांच पड़ताल शुरू किए जाने का कारण;
- (च) वह पता जिस पर इच्छुक पार्टियों के अभ्यावेदन भिजवाए जाने हैं; और
- (छ) समुचित अभ्यावेदन के माध्यम से इच्छुक पार्टियों द्वारा उनके मत प्रदान करने के लिए अनुमत्य समयसीमा।

(2) महानिदेशक, सार्वजनिक नोटिस की प्रति निम्नलिखित को भिजवाएगा—

- (क) केंद्र सरकार का वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा अन्य संबंधित मंत्रालय, जैसा कि वह उचित समझे;
- (ख) उसके उद्भित माल, जिसके बढ़े हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को कथित रूप से गंभीर क्षति हुई है अथवा गंभीर क्षति होने का खतरा है, के संबंधित व्यापार संघ अथवा ज्ञात निर्यातक;
- (ग) जापान सरकार; और
- (घ) अन्य इच्छुक पार्टियां, जैसा कि वह उचित समझे।

(3) महानिदेशक नियम 4 के उप नियम (3) में संदर्भित आवेदन की एक प्रति निम्नलिखित को भी उपलब्ध कराएगा:

- (क) केंद्र सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय;
- (ख) उद्भित माल के ज्ञात निर्माता या संबंधित व्यापारिक संगठन;
- (ग) जापान सरकार;

बशर्ते कि महानिदेशक किसी अन्य इच्छुक पार्टी को उसके लिखित अनुरोध पर ही ऐसी प्रति उपलब्धि कराएगा।

(4) महानिदेशक निर्यातिकों, विदेशी उत्पादकों और जापान सरकार को नोटिस जारी करके ऐसे प्रारूप में जानकारी मांग सकता है जो कि वह विनिर्दिष्ट करे और ऐसे नोटिस के प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर या ऐसी बढ़ाई हुई अवधि के भीतर जिसके लिए पर्याप्त कारण बताते हुए महानिदेशक अनुमति दे, ऐसी जानकारी उनके द्वारा तथा जापान सरकार के द्वारा लिखित रूप में उपलब्ध कराई जाएगी।

स्पष्टीकरण।—इस नियम के प्रयोजन के लिए, सार्वजनिक सूचना और अन्य दस्तावेजों के बारे में यह माना जाएगा कि वे महानिदेशक के द्वारा पंजीकृत डाक से भेजे जाने की तारीख के एक हफ्ते के बाद या जापान सरकार के यथोचित राजनयिक प्रतिनिधि को भेजे जाने के बाद प्राप्त हो गए हैं।

(5) महानिदेशक जांच के अधीन उद्भित माल के औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को, और यदि उद्भित माल की खुदरा स्तर पर सामान्य विक्री की जाती है तो प्रतिनिधि उपयोगकर्ता संगठनों को, यह अवसर प्रदान करेगा कि वे ऐसी जानकारी दे सकें जो कि जांच की दृष्टि से संगत हो।

(6) महानिदेशक किसी इच्छुक पार्टी को भी या उसके प्रतिनिधि को इस बात की अनुमति दे सकता है कि वे उपस्थित होकर ऐसी जानकारी मौखिक रूप से दे सकते हैं जो कि जांच की दृष्टि से संगत हो और ऐसी जानकारी पर महानिदेशक तभी विचार करेगा जब वह महानिदेशक के द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप में प्रस्तुत कर दी जाएगी।

(7) महानिदेशक एक इच्छुक पार्टी द्वारा दिए गए साक्ष्य को ऐसी दूसरे इच्छुक पार्टियों को उपलब्ध करा सकता है जो कि जांच कार्य में भाग ले रही हों।

(8) यदि कोई इच्छुक पार्टी महानिदेशक द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर कोई आवश्यक जानकारी लेने से मना कर देता या उसे प्रदान नहीं करता है अथवा जांच कार्य में अवरोध उत्पन्न करता है तो महानिदेशक अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को लिपिबद्ध करेगा और ऐसी परिस्थितियों में जो उचित समझेगा उस दृष्टि से केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें भेज देगा।

**6. गोपनीय जानकारी।—**(1) नियम 5 के उप नियम (1),(3) और (7), नियम 8 के उप नियम (2) और नियम 10 के उप नियम (5) में निहित किन्हीं बातों के बावजूद कोई भी सूचना जो कि गोपनीय प्रकृति की हो या जिसे गोपनीयता के आधार पर प्रदान किया गया हो तो उसके बारे में कारण बताए जाने पर, महानिदेशक द्वारा उसे गोपनीय समझा जाएगा और उसे ऐसी सूचना को प्रदान करने वाले पक्षकार के द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत किए जाने विना घोषित नहीं किया जाएगा।

(2) महानिदेशक गोपनीयता के आधार पर जानकारी प्रदान करने वाली पार्टी की राय में ऐसी जानकारी को संक्षिप्त रूप में नहीं दिया जा सकता है तो ऐसी पार्टी महानिदेशक को यह विवरण देगी कि ऐसी जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के बावजूद, यदि महानिदेशक इस बात से संतुष्ट होता है कि गोपनीयता के अनुरोध की जरूरत नहीं है या ऐसी जानकारी को देने वाला इस बात को लेकर अनिच्छुक है कि जानकारी को सार्वजनिक किया जाए अथवा इसे सामान्य अथवा सारांश रूप से घोषित किया जाए तो वह ऐसी जानकारी को नजरअंदाज कर सकता है, जब तक कि उसे अन्य यथोचित स्रोतों से यह पता न लग जाए कि ऐसी जानकारी सही है।

**7. गंभीर क्षति का या गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण।—**महानिदेशक अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित सिद्धांतों पर विचार करते हुए यह निर्धारित करेगा कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है या गंभीर क्षति का खतरा है।-

(क) महानिदेशक सभी संगत कारकों का वस्तुनिष्ठ और परिमाणात्मक दृष्टि से मूल्यांकन करेगा जिनका कि घरेलू उद्योग में विशेष तौर पर प्रभाव पड़ता हो और जिनका उद्भवित माल के आयात में निरपेक्ष रूप से और तुलनात्मक रूप से जो वृद्धि होती है उसकी दर और मात्रा, उद्भवित माल के आयात में होने वाली वृद्धि से घरेलू बाजार में हिस्से, विक्री, उत्पादन, क्षमता प्रयोग, लाभ और हानि तथा रोजगार पर भी जो प्रभाव पड़ता है वह उसका भी मूल्यांकन करेगा; और

(ख) इस नियम के अंतर्गत संदर्भित निर्धारण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि वस्तुनिष्ठ साक्ष्यों के आधार पर जांच से यह पता नहीं चलता है कि उद्भवित माल के बढ़ते निर्यात और उससे होने वाली गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बीच कोई हेतुक संवंध है और जब उद्भवित माल के आयात में होने वाली वृद्धि के अलावा अन्य किसी कारण से घरेलू उद्योग को उसी समय कोई हानि हो रही हो तो ऐसी हानि के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यह उद्भवित माल के आयात में होने वाली वृद्धि के कारण हो रही है।

**8. प्रारम्भिक निष्कर्ष।—**(1) महानिदेशक तेजी से जांच की कार्यवाही करेगा और संकटपूर्ण हालात में, घरेलू उद्योग को होने वाली उस गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बारे में अपने निष्कर्ष लिपिबद्ध करेगा जो कि उद्भवित माल के बढ़ते आयात के कारण हो रही हो।

(2) महानिदेशक ऐसी अपने प्रारम्भिक निष्कर्ष के बारे में सार्वजनिक सूचना जारी करेगा और इस सार्वजनिक सूचना की प्रति निम्नलिखित को देगा –

(क) केंद्र सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और वित्त मंत्रालय;

(ख) जापान सरकार।

**9. अनंतिम द्विपक्षीय रक्षा उपायों का प्रयोग –**(1) केंद्र सरकार, महानिदेशक के प्रारंभिक निष्कर्षों के आधार पर, -

(क) इस व्यापार करार के अंतर्गत उद्भवित माल पर लगने वाले सीमा शुल्क की दर में किसी और कटौती को स्थगित कर सकती है; या

(ख) उद्भवित माल पर लगने वाले सीमा शुल्क की दर में उस स्तर तक वृद्धि कर सकती है जो कि निम्नलिखित में से निम्न दर से अधिक न हो:

- (i) द्विपक्षीय रक्षोपाय किए जाने की तारीख को प्रभावी उद्भवित माल पर लगने वाली सीमा शुल्क की लागू मोस्ट फेवर्ड राष्ट्र दर; अथवा
- (ii) व्यापार करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पूर्व उद्भवित माल पर लगने वाली सीमा शुल्क की लागू मोस्ट फेवर्ड राष्ट्र दर।

(2) उप-नियम (1) के अंतर्गत अपनाए जाने वाले द्विपक्षीय रक्षोपाय इनको लागू किए जाने की तारीख से दो सौ दिनों से अधिक अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

10. अंतिम निष्कर्ष.—(1) महानिदेशक ऐसी जांच के प्रारम्भ की तारीख से आठ महीने के भीतर, या ऐसी बढ़ाई हुई अवधि के भीतर, जोकि जाँच आरम्भ किए जाने की तारीख से एक वर्ष से ज्यादा न हो, जिसके लिए केन्द्र सरकार अनुमति दे, यह निर्धारण करेगा कि क्या,-

- (क) जांच के अधीन माल के बड़े हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को गम्भीर क्षति हुई है या गम्भीर क्षति का खतरा पैदा हुआ है, और
- (ख) इस व्यापार करार के अंतर्गत दी जाने वाली टैरिफ रिआयत के कारण बड़े हुए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली गम्भीर क्षति या गम्भीर क्षति के खतरे के बीच कोई हेतुक संबंध है।

(2) महानिदेशक द्विपक्षीय रक्षोपायों के बारे में ऐसी भी सिफारिश करेगा जो कि गम्भीर क्षति को रोकने या इसका उपचार करने या समायोजन में सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से पर्याप्त होंगी।

(3) महानिदेशक द्विपक्षीय रक्षोपायों की अवधि के बारे में भी अपनी सिफारिशें देगा :

बशर्ते कि जहां कि इस प्रकार की सिफारिश की गई अवधि एक वर्ष से अधिक होती वहां महानिदेशक लागू किए जाने की अवधि के दौरान नियमित अंतराल पर द्विपक्षीय रक्षा उपायों के प्रगामी उदारीकरण की भी सिफारिश करेगा जो कि समायोजन किए जाने की दृष्टि से पर्याप्त होंगे।

(4) अंतिम निष्कर्ष, यदि सकारात्मक हैं तो, में तथ्यों और उनसे संबंधित विधियों और कारणों के बारे में जानकारी निहित होगी जिनके कारण इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया है।

(5) महानिदेशक अंतिम निष्कर्षों को एक सार्वजनिक सूचना के रूप में जारी करेगा।

(6) महानिदेशक अपने अंतिम निष्कर्षों से संबंधित सार्वजनिक सूचना की एक प्रति निम्नलिखित के पास भी भेजेगा -

- (क) केन्द्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय;
- (ख) जापान सरकार।

11. द्विपक्षीय रक्षोपाय का लागू किया जाना.—(1) महानिदेशक की सिफारिश प्राप्त होने पर, अंतिम निष्कर्षों के अंतर्गत आने वाले माल के संबंध में गम्भीर क्षति को रोकने या उसका उपचार करने या समायोजन करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार, व्यापार करार के प्रावधानों को लागू करने के लिए सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) के अंतर्गत जारी अधिसूचना में यथोचित संशोधन करेगा, जिससे कि -

- (क) व्यापार करार के अंतर्गत ऐसे माल पर लगने वाले सीमा शुल्क की दर में की जाने वाली और कटौती को स्थगित कर सके; या
- (ख) संबंधित माल पर लगने वाले सीमा शुल्क की दर में उस स्तर तक बढ़ोत्तरी कर सके जो कि निम्नलिखित में से निम्न दर से अधिक न हो:

- (i) द्विपक्षीय रक्षोपाय किए जाने की तारीख को प्रभावी उद्भवित माल पर लगने वाली सीमा शुल्क की लागू मोस्ट फेवर्ड राष्ट्र दर; अथवा
- (ii) व्यापार करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पूर्व उद्भवित माल पर लगने वाली सीमा शुल्क की लागू मोस्ट फेवर्ड राष्ट्र दर है।

(2) यदि महानिदेशक के अंतिम निष्कर्ष प्रथम दृष्टतया साक्ष्य जिसके आधार पर अन्वेषण शुरू किया गया था, के विपरीत हैं तथा अंतिम निष्कर्ष में रक्षोपाय लागू करने की सिफारिश नहीं की गई है तो केन्द्र सरकार महानिदेशक द्वारा दिए गए अंतिम निष्कर्षों के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर नियम 10 के अंतर्गत लगाए गए अनंतिम द्विपक्षीय रक्षोपाय, यदि कोई हो, को वापस लेगी।

(3) द्विपक्षीय रक्षोपायों के अनंतिम अथवा अंतिम रूप से समाप्त किए जाने पर, उद्भुति माल की सीमा शुल्क की दर वह होगी जो कि द्विपक्षीय रक्षोपाय के नहीं होने पर लागू होती।

**12. रक्षोपायों के प्रारम्भ की तारीख।**—(1) नियम 9 और नियम 11 के अंतर्गत लागू किए गए द्विपक्षीय रक्षोपाय, इस तरह के रक्षोपाय को लागू करने वाली अधिसूचना के शासकीय राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

(2) उप-नियम (1) में विहित किसी भी बात के बावजूद, जहां कहीं एक अनंतिम द्विपक्षीय रक्षोपाय लागू किया गया है और जहां कहीं महानिदेशक ने यह निष्कर्ष रिकॉर्ड किया है कि बढ़े हुए आयात से घरेलू उद्योग को गम्भीर क्षति पहुंची है अथवा क्षति पहुंचने का खतरा है तो इसे नियम 11 के अंतर्गत जारी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाएगा कि इस तरह के रक्षोपाय अनंतिम द्विपक्षीय रक्षोपाय उपाय लागू किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

**13. ड्यूटी की वापसी।**—यदि जांच के समाप्त होने के पश्चात किए गए द्विपक्षीय रक्षोपायों के परिणामस्वरूप सीमा शुल्क की ऐसी दर बनती है जो कि पहले से ही किए गए अनंतिम द्विपक्षीय रक्षोपाय के परिणामस्वरूप सीमा शुल्क की दर से कम है तो संग्रहित की गई ड्यूटी के अंतर को आयातक को वापस कर दिया जाएगा।

**14. अवधि।**—(1) नियम 11 के अंतर्गत लागू द्विपक्षीय रक्षोपाय केवल उस सीमा में और उस अवधि के लिए होंगे जो कि गम्भीर क्षति को रोकने अथवा समाप्त करने और समायोजन को सुकर बनाने के लिए आवश्यक हो।

(2) इस नियम के उप-नियम (1) में विहित किसी भी बात के बावजूद, नियम 11 के अंतर्गत लागू द्विपक्षीय रक्षोपाय, इनके लागू किए जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि से अधिक तक लागू नहीं होंगे:

बशर्ते कि उन्ने अपवादिक परिस्थितियों में केन्द्र सरकार महानिदेशक की सिफारिश प्राप्त होने के पश्चात नियम 16 के उप-नियम (1) के अंतर्गत द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने की अवधि को बढ़ा सकती है:

बशर्ते यह भी कि द्विपक्षीय रक्षोपायों की कुल अवधि, इनकी बढ़ाई गई अवधि सहित, पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(3) इन नियमों के अंतर्गत कोई भी द्विपक्षीय रक्षोपाय ऐसे उद्भुति माल विशेष के आयात पर पुनः लागू नहीं होगा जो कि इस प्रकार के द्विपक्षीय रक्षोपाय के अध्यधीन ऐसी अवधि के लिए है जो कि उस अवधि के बराबर है जिसके दौरान इस प्रकार के उपायों को पहले लागू किया गया था, बशर्ते यह कि लागू न किए जाने की अवधि कम से कम एक वर्ष हो।

**15. द्विपक्षीय रक्षोपायों का उदारीकरण।**—यदि नियम 11 के अंतर्गत लगाए गए द्विपक्षीय रक्षोपायों की अवधि एक वर्ष से अधिक हो तो द्विपक्षीय रक्षोपायों का इनके लगाए जाने की अवधि के दौरान नियमित अंतराल पर प्रगामी रूप से उदारीकृत किया जाएगा।

**16. समीक्षा।**—(1) महानिदेशक नियम 14 के उप-नियम (2) की शर्तों के अनुसार द्विपक्षीय रक्षोपायों के निरंतर लागू किए जाने की आवश्यकता की समीक्षा कर सकते हैं यदि वे उन्हें प्राप्त सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट होते हैं कि—

(क) द्विपक्षीय रक्षोपाय गम्भीर क्षति को रोकने अथवा इसका उपाय करने के लिए आवश्यक हैं और इस बात का साक्ष्य है कि घरेलू उद्योग सकारात्मक रूप से समायोजन कर रहा है, तो वे द्विपक्षीय रक्षोपायों के निरंतर लगाए जाने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकते हैं;

(ख) ऐसे उपायों को जारी रखने के पीछे कोई औचित्य नहीं है, तो वे रक्षोपायों को वापस लिए जाने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकते हैं।

(2) नियम 4,5,6 और 10 के प्रावधान समीक्षा के मामले में यथा आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

[फा.सं.528/23/2013- एसटीओ (टीयू)]

सत्यजीत मोहंती, निदेशक

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**  
(CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th January, 2017

**No. 7/2017 - Customs (N. T.)**

**G.S.R.68 (E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), read with sub-section (1) of section 25 and section 156 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

**1. Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the India-Japan Comprehensive Economic Partnership Agreement (Bilateral Safeguard Measures) Rules, 2017.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Definitions.**— (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “critical circumstances” means circumstances in which there is clear evidence that increased imports of an originating good have caused or are threatening to cause serious injury to the domestic industry and where delay in imposition of provisional bilateral safeguard measure would cause damage to the domestic industry which would be difficult to repair;

(b) “Director General” means the Director General (Safeguard) appointed by the Central Government under sub-rule (1) of rule 3 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997;

(c) “domestic industry” means the producers,—

(i) as a whole of the like or directly competitive good in India; or

(ii) whose collective output of the like good or a directly competitive good in India constitutes a major proportion of the total production of the said good in India;

(d) “good” means any merchandise, product, article or material;

(e) “increased imports” means increase in imports from Japan whether in absolute terms or relative to domestic production;

(f) “interested party” includes, —

(i) any exporter or producer from Japan or importer of the good subjected to investigation for purposes of taking bilateral safeguard measure or a trade or business association, majority of the members of which are producers, exporters or importers of such a good,

(ii) the Government of Japan; and

(iii) a producer of the like good or directly competitive good in India or a trade or business association, a majority of members of which produce or trade the like good or directly competitive good in India;

(g) “originating good” means a good which qualifies as an originating good under the provisions of the Customs Tariff (Determination of Origin of Goods under the Comprehensive Economic Partnership Agreement between the Republic of India and Japan) Rules, 2011 notified vide notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 55/2011 – Customs (N.T.), dated the 1<sup>st</sup> August, 2011, published vide number G.S.R. 594 (E), dated the 1<sup>st</sup> August, 2011;

(h) “serious injury” means a significant overall impairment in the position of the domestic industry;

(i) “threat of serious injury” means serious injury that, on the basis of facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility, is clearly imminent;

(j) “Trade Agreement” means the ‘Comprehensive Economic Partnership Agreement between the Republic of India and Japan’.

(2) Words and expressions used herein and not defined, but defined in the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the Customs Act, 1962 (52 of 1962) shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts.

**3. Duties of Director General.**— Subject to the provisions of these rules, it shall be the duty of the Director General, —

- (a) to investigate whether increased imports of an originating good into India, have caused or are threatening to cause serious injury to the domestic industry as a result of elimination or reduction of a customs duty under the Trade Agreement;
- (b) to evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of the domestic industry, in particular, the rate and amount of the increase in imports of originating good in absolute and relative terms, the share of the domestic market taken by the increased imports of the originating good, changes in the level of sales, production, productivity, capacity utilisation, profits and losses and employment;
- (c) to submit his findings, provisional or otherwise, to the Central Government as to the serious injury or threat of serious injury to the domestic industry caused by increased imports of an originating good from Japan as a result of elimination or reduction of a customs duty under the Trade Agreement;
- (d) to recommend bilateral safeguard measure which if adopted would be adequate to prevent or remedy the serious injury;
- (e) to recommend the duration of the bilateral safeguard measure and where the period so recommended is more than a year, to recommend progressive liberalisation necessary to facilitate adjustment;
- (f) to review the need for continuation of a bilateral safeguard measure.

**4. Initiation of investigation.**— (1) Except as provided in sub-rule (4), the Director General shall, on receipt of a written application by or on behalf of the domestic producer of like good or directly competitive good, initiate an investigation to determine the existence of serious injury or threat of serious injury to the domestic industry, caused by increased imports of an originating good as a result of the elimination or reduction of customs duty under the Trade Agreement.

(2) An application under sub-rule (1) shall be made in the form as may be specified by the Director General in this behalf and such application shall be supported by,-

- (a) evidence of -
  - (i) increased imports of the originating good;
  - (ii) serious injury or threat of serious injury to the domestic industry;
  - (iii) a causal link between imports of the originating good and the alleged serious injury or threat of serious injury; and
  - (iv) the reduction or elimination of a customs duty under the Trade Agreement being a cause which contributes significantly to the increase in imports of the originating good and such increase in imports constitutes a substantial cause of serious injury to domestic industry;

Provided that the cause of reduction or elimination of a customs duty under the Trade Agreement need not be equal to or greater than any other cause; and

- (b) a statement on the efforts being made, or planned to be made, or both, to make an adjustment to import competition.

(3) The Director General shall not initiate an investigation pursuant to an application made under sub-rule (1) unless he examines the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and satisfies himself that there is sufficient evidence regarding-

- (a) increased imports of the originating good;
- (b) serious injury or threat of serious injury;
- (c) a causal link between imports of the originating good and the alleged serious injury or threat of serious injury; and
- (d) the reduction or elimination of a customs duty under the Trade Agreement, contributing significantly to the increase in imports of the originating good and such increase in imports constitutes a substantial cause of serious injury or threat thereof to domestic industry;

Provided that the cause of reduction or elimination of a customs duty under the Trade Agreement need not be equal to or greater than any other cause.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Director General may initiate an investigation *suo moto* if he is satisfied with the information received from any Commissioner of Customs appointed under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) or any other source that sufficient evidence exists as referred to in clause (a), clause (b), clause (c) and clause (d) of sub-rule (3).

**5. Principles governing investigation.**—(1) Once the decision is taken by the Director General to initiate investigation to determine the serious injury or threat of serious injury to domestic industry, consequent upon the increased imports of an originating good into India as a result of the elimination or reduction of a customs duty under the Trade Agreement, the Director General shall issue a public notice on initiation of investigation and the public notice shall, *inter alia*, contain adequate information on the following, namely:—

- (a) a precise description of the originating good subject to the investigation and its classification under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);
- (b) the period subject to the investigation;
- (c) the date of initiation of the investigation;
- (d) a summary statement of the facts on which the allegation of serious injury or threat of serious injury is based;
- (e) reason for initiation of the investigation;
- (f) the address to which representations by interested parties should be directed; and
- (g) the time-limits allowed to interested parties for providing their views through appropriate representation.

(2) The Director General shall forward a copy of the public notice to—

- (a) the Central Government in the Ministry of Commerce and Industry and other Ministries concerned, as he deems fit;
- (b) the concerned trade associations or known exporters of the originating good, the increased imports of which have been alleged to cause **or threaten to cause serious injury** to the domestic industry;
- (c) the Government of Japan; and
- (d) other interested parties, as he deems fit.

(3) The Director General shall also provide a copy of the application referred to in sub-rule (1) of rule 4 to—

- (a) the Central Government in the Ministry of Commerce and Industry;
- (b) the known exporters of the originating good, or the concerned trade associations; and
- (c) the Government of Japan:

Provided that the Director General shall also make available a copy of the application, upon request in writing, to any other interested party.

(4) The Director General may issue a notice, calling for any information in such form as may be specified by him from the exporters, foreign producers and Government of Japan and such information shall be furnished by them and the Government of Japan in writing to the Director General within thirty days from the date of receipt of the notice or within such extended period as the Director General may allow on sufficient cause being shown.

**Explanation.**—For the purpose of this rule, the public notice and other documents shall be deemed to have been received one week after the date on which these documents were sent by the Director General by registered post or transmitted to the appropriate diplomatic representative of the Government of Japan.

(5) The Director General may also provide opportunity to the industrial users of the originating good under investigation and to representative consumer organisations in cases where the originating good is commonly sold at retail level to furnish information which is relevant to the investigation.

(6) The Director General may allow an interested party or its representative to present the information relevant to investigation orally but such oral information shall be taken into consideration by the Director General only when it is subsequently submitted in writing, within the time frame specified by the Director General.

(7) The Director General shall make available the evidence presented to him by one interested party to the other interested parties, participating in the investigation.

(8) In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within the period specified by the Director General or significantly impedes the investigation, the Director General may record his findings on the basis of the facts available to him and make such recommendations to the Central Government as he deems fit under such circumstances.

**6. Confidential information.**—(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1), (3) and (7) of rule 5, sub-rule (2) of rule 8 and sub-rule (5) of rule 10, any information which is by nature confidential or which is provided on a

confidential basis shall, upon cause being shown, be treated as such by the Director General and shall not be disclosed without specific authorisation of the party providing such information.

(2) The Director General may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of the party providing such information, the same cannot be summarised, such party may submit to the Director General a statement of reasons why summarisation is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the Director General is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is unwilling either to make the information public or to authorise its disclosure in a generalised or summary form, he may disregard such information unless it is demonstrated to his satisfaction from appropriate sources that such information is correct.

**7. Determination of serious injury or threat of serious injury.**— The Director General shall determine serious injury or threat of serious injury to the domestic industry taking into account, *inter alia*, the following principles, namely:-

- (a) the Director General shall evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of the domestic industry, in particular, the rate and amount of the increase in imports of the originating good in absolute and relative terms, the share of the domestic market taken by increased imports of the originating good, changes in the level of sales, production, productivity, capacity utilisation, profits and losses and employment; and
- (b) the determination referred under this rule, shall not be made unless the investigation demonstrates, on the basis of objective evidence, the existence of the causal link between increased imports of the originating good and serious injury or threat thereof and when factors other than increased imports of the originating good are causing injury to the domestic industry at the same time, such injury shall not be attributed to the increased imports of the originating good.

**8. Preliminary findings.**— (1) The Director General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, may record a preliminary finding regarding serious injury or threat of serious injury to the domestic industry as a result of increased imports of an originating good.

(2) The Director General shall issue a public notice regarding such preliminary findings and send a copy of the public notice to -

- (a) the Central Government, in the Ministry of Commerce and Industry and in the Ministry of Finance;
- (b) the Government of Japan.

**9. Application of provisional bilateral safeguard measure.**— (1) The Central Government, on the basis of the preliminary findings of the Director General, may -

- (a) suspend further reduction of any rate of customs duty on the originating good provided for under the Trade Agreement; or
- (b) increase the rate of customs duty on the originating good to a level not to exceed the lesser of:
  - (i) the Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the originating good in effect on the day when the bilateral safeguard measure is taken; or
  - (ii) the Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the originating good in effect on the day immediately preceding the date of entry into force of the Trade Agreement.

(2) The bilateral safeguard measure under sub-rule (1) shall remain in force only for a period not exceeding two hundred days from the date on which it was imposed.

**10. Final findings.**— (1) The Director General shall, within eight months from the date of initiation of the investigation, or within an extended period not exceeding one year from the date of initiation of the investigation, as the Central Government may allow, determine whether,-

- (a) the increased imports of the originating good under investigation has caused or threatened to cause serious injury to the domestic industry; and
- (b) a causal link exists between the increased imports of the originating good due to the elimination or reduction of a customs duty under the Trade Agreement and serious injury or threat of serious injury.

(2) The Director General shall also give his recommendation regarding bilateral safeguard measure which would be adequate to prevent or remedy the serious injury and to facilitate adjustment.

(3) The Director General shall also make his recommendations regarding the duration of the bilateral safeguard measure:

Provided that where the period recommended is more than one year, the Director General shall also recommend progressive liberalisation of the bilateral safeguard measure at regular intervals during the period of application as necessary to facilitate adjustment.

(4) The final findings, if affirmative, shall contain all information on the matter of facts and law and reasons which have led to the conclusion.

(5) The Director General shall issue a public notice recording his final findings.

(6) The Director General shall send a copy of the public notice regarding his final findings to -

- (a) the Central Government, in the Ministry of Commerce and Industry and in the Ministry of Finance;
- (b) the Government of Japan.

**11. Application of bilateral safeguard measure.**— (1) On receipt of the recommendation of the Director General, in order to prevent or remedy the serious injury and to facilitate adjustment in respect of the originating good covered under the final findings, the Central Government may suitably amend the notification, issued under sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) to give effect to the provisions of the Trade Agreement, so as to -

- (a) suspend further reduction of any rate of customs duty on the originating good provided for under the Trade Agreement; or
- (b) increase the rate of customs duty on the originating good to a level not to exceed the lesser of:
  - (i) the Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the originating good in effect on the day when the bilateral safeguard measure is taken; or
  - (ii) the Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the originating good in effect on the day immediately preceding the date of entry into force of the Trade Agreement.

(2) In case, the final findings of the Director General is contrary to the *prima facie* evidence on the basis of which the investigation was initiated and the final findings do not have recommendation for applying bilateral safeguard measure, the Central Government shall within thirty days of the publication of final findings by the Director General under rule 10, withdraw the provisional bilateral safeguard measure imposed, if any.

(3) Upon termination of a bilateral safeguard measure, whether provisional or final, the rate of customs duty for an originating good subject to the measure shall be the rate which would have been in effect but for the bilateral safeguard measure.

**12. Date of commencement of bilateral safeguard measure.**— (1) The bilateral safeguard measure applied under rule 9 and rule 11 shall take effect from the date of publication of the notification, in the Official Gazette, imposing such bilateral safeguard measure.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where a provisional bilateral safeguard measure has been imposed and where the Director General has recorded a finding that increased imports have caused or threaten to cause serious injury to domestic industry, it shall be specified in the notification issued under rule 11 that such bilateral safeguard measure shall take effect from the date of imposition of the provisional bilateral safeguard measure.

**13. Refund of duty.**— If the bilateral safeguard measure taken after the conclusion of the investigation results in a rate of duty which is lower than the rate of duty resulting from a provisional bilateral safeguard measure already taken, the differential duty collected shall be refunded to the importer.

**14. Duration.**— (1) The bilateral safeguard measure applied under rule 11 shall be only to the extent and for such period of time as may be necessary to prevent or remedy the serious injury and to facilitate adjustment.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) of this rule, the bilateral safeguard measure applied under rule 11 shall not exceed a period of three years from the date of its imposition:

Provided that in highly exceptional circumstances, the Central Government may extend the period of bilateral safeguard imposition, on receipt of the recommendation of the Director General under sub-rule (1) of rule 16:

Provided further that the total duration of the bilateral safeguard measure, including such extensions, shall not exceed five years.

(3) No bilateral safeguard measure under these rules shall be applied again to the import of a particular originating good which has been subject to such a bilateral safeguard measure, for a period of time equal to that during which such measure had been previously applied, provided that the period of non-application is at least one year.

**15. Liberalisation of bilateral safeguard measure.**- If the duration of the bilateral safeguard measure applied under rule 11 exceeds one year, the bilateral safeguard measure shall be progressively liberalised at regular intervals during the period of its application.

**16. Review.**- (1) The Director General may review the need for continued application of the bilateral safeguard measure in terms of sub-rule (2) of rule 14 and, if he is satisfied on the basis of information received by him that -

(a) the bilateral safeguard measure is necessary to prevent or remedy the serious injury and there is evidence that the domestic industry is adjusting positively, he may recommend to the Central Government for the continued imposition of bilateral safeguard measure;

(b) there is no justification for the continued imposition of such measure, recommend to the Central Government for its withdrawal.

(2) The provisions of rules 4, 5, 6 and 10 shall, *mutatis mutandis* apply in the case of review.

[F. No.528/23/2013-STO(TU)]

SATYAJIT MOHANTY, Director